Roll. No. : .....

BAJY (N)-121

Second Semester Examination, 2024 (June)

[मुहूर्त विचार]

Time : 2 Hours] **[Maximum Marks : 70**

नोट : यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (2) खण्डों (क) तथा (ख) में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड (क) में पाँच (5) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

2 × 19 = 38

1. मुहूर्त्त का परिचय देते हुए गर्भाधान एवं अन्नप्राशन मुहूर्त्त का उल्लेख कीजिये।

2. पक्ष, मास, ऋतु, अयन एवं गोल को परिभाषित करते हुऐ विस्तार से उसका उल्लेख कीजिये।

3. तिथि का परिचय देते हुए उसके महत्व का वर्णन कीजिये।

4. ज्योतिषशास्त्र में शकुन का क्या महत्व है। उल्लेख कीजिये।

5. षोडश संस्कार से आप क्या समझते है। विस्तार से वर्णन कीजिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड (ख) में आठ (8) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (8) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

4 × 8 = 32

1. अधिक व क्षयमास का विस्तार से उल्लेख कीजिये।

2. लग्न शुद्धि से आप क्या समझते है। स्पष्ट कीजिये।

3. करण एवं भद्रा को परिभाषित करते हुये सविस्तार से उल्लेख कीजिये।

4. पुंसवन संस्कार को परिभाषित करते हुए मुहूर्त्त का वर्णन कीजिये।

5. वारों में कृत्याकृत्य का विचार कीजिये।

6. नामकरण और अन्नप्राशन मुहूर्त्त का उल्लेख कीजिये।

7. नूतन गृहारम्भ और जलाशय खनन मुहूर्त्त का वर्णन कीजिये।

8. यात्रा में कृत्याकृत्य पर टिप्पणी लिखिये।

****